लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 19.3.2020 पृष्ठ सं 6 कॉलम 1-4

सुविधा • ₹80 लाख की लागत से तैयार होगा मैदान, एक हजार दर्शकों के बैठने की होगी व्यवस्था

अप्रैल के पहले सप्ताह से एचएयू में शुरू होगा दो अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक टेनिस मैदान का निर्माण

महबूब अली | हिसार

टेनिस प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। अप्रैल माह के पहले सप्ताह से एचएयू में दो अंतरराष्ट्रीय सिंथेटिक टेनिस मैदान का निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। इसके लिए 80 लाख रुपये का बजट जारी किया गया है।

कुलपति ने बुधवार को इस संबंध में बैठक लेकर मातहतों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. केपी सिंह ने बताया कि खेल परिसर में दो नए सिंथेटिक टेनिस मैदान का निर्माण लगभग 80 लाख की लागत से किया जाएगा। यह मैदान अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा। इसमें रात को खेलने के लिए लाइट के इंतजाम से लेकर करीब 1 हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। यही नहीं खासियत यह होगी कि यह बिल्कुल आधुनिक नियमों के अमुसार होगा और इस पर हर प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा सकेगा। बताया कि अप्रैल के पहले सप्ताह में निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा, ताकि खिलाड़ियों को भी किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। दो माह के अंदर निर्माण कार्य पूरा करा दिया जाएगा। बता दें कि विश्वविद्यालय के खेल परिसर में अत्याधुनिक सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक, मल्टीपर्पज हॉल, बॉक्सिंग हॉल का निर्माण शुरू कराया गया है। कुलपति का कहना है कि खिलाड़ियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देविंदर दहिया और एसोसिएट डायरेक्टर ऑफ स्पोर्ट्स डॉ. सुनील लेगा ने बताया कि निर्माण की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

सिंथेटिक टेनिस मैदान की खासियत

- 1 हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था।
- अंतरराष्ट्रीय मैदान की तरह रात में भी मुकाबले हो सकेंगे।
- मैदान में अत्याधुनिक शौचालय की सुविधाद्ध

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 19.3.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 4.2

आर्गेनिक खेती • कृषि विज्ञान केंद्र सोनीपत के प्रयासों से शुरू हुई नई पहल, लग रही जागरूकता कार्यशालाएं, एक दूसरे की सलाह से कर रहे उत्पादन और मार्केट की तलाश

ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए छह जिलों के 90 किसानों ने बनाया क्लब

▪ 300 से अधिक एकड़ में अलग-अलग तरह की खेती कर अपने प्रोडक्ट तक ये किसान कर रहे तैयार

जितेंद्र बूरा | सोनीपत

बढ़ती बीमारियों के बीच शुद्ध उत्पादों की डिमांड बढ़ रही है। इसी मार्केट को भांपते हुए खाद व दवाइयों की जहरीली खेती से दूर होकर ऑर्गेनिक खेती की तरफ किसान बढ़ रहे हैं। सोनीपत कृषि विज्ञान केंद्र विशेषज्ञों के प्रयासों से सोनीपत व आसपास के आठ जिलों के 90 ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसानों को एकजुट कर क्लब बनाया गया है। 300 से अधिक एकड़ में अलग-अलग तरह की खेती कर अपने प्रोडक्ट तक ये किसान तैयार कर रहे हैं। कृषि वैज्ञानिक ही नहीं, खेती में पदमश्री सोनीपत के कंवल सिंह चौहान, पानीपत के नरेंद्र डिडवाड़ी भी इस ग्रुप में जुड़े हैं। ग्रुप में आपसी सलाह से फसल उत्पादन और मार्केट तलाश कर अच्छा मुनाफा कमाने की शुरुआत की है।

खेतों में कार्यशालाएं व प्रशिक्षण कार्यक्रम कर अन्य किसानों को भी जागरूक करने का अभियान शुरू किया है। हर कोई अच्छा खाना पसंद करता है चाहे दाम कुछ ज्यादा क्यों न हो। इसी का देखते आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के प्रयास शुरू किए गए हैं। आर्गेनिक खेती किसान क्लब बनाया गया है। किसान आपसी सलाह से जहरमुक्त खेती कर रहे हैं। फसल और फल उत्पादन के बाद उसके बेहतर भाव के लिए खरीदार भी ग्रुप से जल्द मिल जाते हैं। सोनीपत जिले में करीब 70 एकड़ में फिलहाल देसी गोबर खाद या जैविक खाद से अलग-अलग जगह किसान अपने स्तर पर खेती कर रहे हैं। पिछले सालों में इसके परिणाम भी बेहतर आ रहे हैं।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय भी करेगा सहयोग : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत सोनीपत जगदीशपुर के कृषि विज्ञान केंद्र में कृषि विशेषज्ञ परमेंद्र मलिक का कहना है कि यह एक नई पहल है जो धीरे-धीरे सफलता की तरफ बढ़ रहे हैं। नामी किसान और कृषि वैज्ञानिक इस ग्रुप से जुड़ रहे हैं। खेतों में अंधाधुंध खाद और दवाइयों के प्रयोग से खेतों से किसान के मित्र कीट और पक्षी खत्म हो रहे हैं। यह खेती को प्रभावित करने वाले कीटों को खत्म करते थे। भूमि की उर्वरा शक्ति कम हो रही है। कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ डॉ. जेके नांदल ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक इसको लेकर चिंतित हैं। ऐसे में ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के प्रयास शुरू किए गए हैं।

अपने क्षेत्र के किसानों को कर रहे जागरूक

सोनीपत | खेत में कार्यशाला में इक्ट्ठे हुए ऑर्गेनिक खेती करने वाले किसान।

ग्रुप से हिसार, जींद, कुरुक्षेत्र, सोनीपत, पानीपत, झज्जर, सिरसा के जिलों के किसान जुड़ चुके हैं। उत्तर प्रदेश और दिल्ली से कृषि विशेषज्ञ भी ग्रुप में परामर्श के तौर पर जुड़े हैं। ये किसान अब अपने एरिया में रोल मॉडल के तौर पर आसपास के किसानों को भी ऑर्गेनिक खेती के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

ग्रुप में लेते हैं सलाह, उत्पादों का बढ़ाया कारोबार : पदमश्री कंवल सिंह चौहान का कहना है कि समय के साथ खेती में बदलाव लाएं तो यह फायदे का सौदा हो सकता है। खानपुर में अमरुद का बाग लगाने वाले संजय मलिक और राई में बाग लगाए हुए रमाकांत त्यागी ने कहा कि ऑर्गेनिक तरीके से अमरुद तैयार कर मार्केट में बेच रहे हैं। इससे अच्छे भाव मिलते हैं। दिलपालपुर के किसान चेतराम ने बताया कि किसान ऑर्गेनिक खेती की तरफ चला तो जाए लेकिन बेहतर मार्केट उत्पाद बेचने के लिए नहीं है। कुरुक्षेत्र के नहरा गांव के राजकुमार 13 साल से ऑर्गेनिक खेती कर रहे हैं।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम...... अमर उजाला ......
दिनांक 19.3.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 3-6

दिन में बढ़ी गर्मी, रात को ठंड कायम, 21 को बूंदाबांदी की संभावना

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। मार्च आधा बीत चुका है, लेकिन सुबह और शाम के समय अभी भी सर्दी नहीं गई है। पिछले दिनों हुई ओलावृष्टि और बारिश के कारण गिरे तापमान से ठंडी हवाएं चली थीं, जिससे तापमान में कुछ गिरावट दर्ज हुई थी। मंगलवार की रात को अधिकतम तापमान 12.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, दिन के समय कड़ी धूप के कारण तापमान में 1.1 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 28.1 डिग्री सेल्सियस रहा।

- **अधिकतम तापमान में 1.1 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी**

अस्त होते सूर्य का दृश्य। - अमर उजाला

20 से 25 मार्च तक मौसम परिवर्तनशील रहेगा : मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 20 से 25 मार्च तक मौसम परिवर्तनशील रहेगा और 20 मार्च को बादल छाये रहने व 21 मार्च को हल्की बारिश की संभावना है। हालांकि इस बार आने वाला पश्चिमी विक्षोभ कमजोर ही रहेगा, इसलिए किसानों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह के दौरान अधिकतम तापमान के 28 से 30 डिग्री के बीच रहने की संभावना है।

इस बार अधिक प्रभावी नहीं होगा पश्चिमी विक्षोभ : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खिचड़ के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ हर महीने तीन से पांच बार आते हैं, जो कभी पहाड़ों की तरफ चले जाते हैं तो कभी मैदानी इलाकों में प्रभाव डालते हैं। इस महीने लगातार दो प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ ने हरियाणा को प्रभावित किया है। अब भी पश्चिमी विक्षोभ आ तो रहे हैं, लेकिन ज्यादा प्रभावी नहीं रहने की संभावना है। इस पश्चिमी विक्षोभ से 20 से 22 मार्च तक बीच-बीच में आंशिक बादल छाये रहने, हवाएं चलने की संभावना है, लेकिन 21 मार्च को गरज-चमक के साथ कहीं कहीं हल्की बारिश की संभावना है।